भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4531

जिसका उत्तर 19.03.2026 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण

4531. श्री अभय कुमार सिन्हा:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020-26 के दौरान भारतमाला परियोजना के अंतर्गत निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की कुल लंबाई राज्य-वार विशेषकर बिहार तथा औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के संबंध में क्या है;

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान किए गए सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है और यदि हाँ, तो दुर्घटनाओं में कमी, ब्लैक स्पॉट में सुधार तथा इन उपायों को लागू करने हेतु पहलों से संबंधित आँकड़ों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं

और विशेष रूप से बिहार में कितने चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 (17.03.2026 तक) के दौरान निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

औरंगाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्मित लंबाई का विवरण निम्नानुसार है:-

परियोजना का नाम	**लंबाई (किमी में)**	**औरंगाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में लंबाई (किमी में)**	**पूर्ण की जा चुकी लंबाई (किमी में)**
औरंगाबाद से बिहार / झारखंड सीमा (चोर्दाहा) खंड के किमी 180.000 से किमी 209.827 तक छह लेन का निर्माण	29.827	8.000	4.688
वाराणसी-रांची-कोलकाता (पैकेज-06)	35.200	35.200	निर्माणाधीन

(ख) इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ईडीएआर) पोर्टल देश भर में सड़क दुर्घटना डेटा की रिपोर्टिंग, प्रबंधन और विश्लेषण के लिए एक केंद्रीय संग्रह के रूप में कार्य करता है। पोर्टल पर राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 (दिसंबर, 2025 तक) की अवधि के दौरान देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं और मौतों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	सभी एनएच पर दुर्घटनाओं की संख्या	सभी एनएच पर मौतों की संख्या
2023	1,50,177	63,112
2024	1,50,958	64,772
2025 (ईडीएआर पोर्टल से)	1,37,197	58,859

सरकार स्थल-विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर दुर्घटना प्रवण स्थलों (ब्लैक स्पॉट) के सुधार के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के सुधारात्मक उपाय करती है।

- अल्पकालिक उपायों में सड़क चिह्नों, साइनेज स्थापना, क्रैश बैरियर, उठे हुए फुटपाथ मार्कर, डेलिनेटर, मध्य भाग (मीडियन) में प्रवेश और यातायात की भीड़-भाड़ कम करने के उपाय शामिल हैं।
- दीर्घकालिक उपायों में ज्यामितीय सुधार, जंक्शन का पुनर्निर्माण, कैरिजवे का स्पॉट चौड़ीकरण तथा अंडरपास या ओवरपास का निर्माण शामिल है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर 2016-2018, 2017-2019, 2018-2020, 2019-2021, 2020-2022 और 2021-23 की श्रृंखला के लिए कुल 16,542 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है। इसके अलावा, ब्लैक स्पॉट का सुधार एक सतत प्रक्रिया है और तत्काल आधार पर अस्थायी उपाय किए जाते हैं। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर चिह्नित किए गए कुल 16,542 ब्लैक स्पॉट में से 14,138 ब्लैक स्पॉट पर अल्पकालिक सुधार कार्य पूरा हो चुका है। सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा (ऑडिट) रिपोर्ट द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक सुधार उपायों को केवल आवश्यक माने जाने वाले स्थानों पर लागू किया जाता है। तदनुसार, 6,649 ब्लैक स्पॉट पर दीर्घकालिक सुधार उपाय पूरे हो चुके हैं, जबकि 4,077 ब्लैक स्पॉट का आकलन ऐसे दीर्घकालिक उपाय की आवश्यकता नहीं होने के रूप में किया गया है।

(ग) सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और विनिर्माण करना (फेम-2) योजना के तहत अखिल भारतीय आधार पर शहरों और राजमार्गों सहित 9,332 इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (ईवी पीसीएस) की स्थापना के लिए 912.50 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। दिनांक 01.01.2026 तक फेम-2 योजना के तहत कुल 9,159 ईवी पीसीएस स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे

के किनारे लगभग 40-60 किलोमीटर के अंतराल पर मार्गस्थ सुविधाओं में ईवी चार्जिंग अवसंरचना विकसित करने की परिकल्पना की है, जिसमें अब तक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की 100% सहायक कंपनी, राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा 68 ईवी चार्जिंग स्टेशन चालू किए गए हैं । ईवी पीसीएस की स्थापना एक गैर-लाइसेंसी गतिविधि है और निजी उद्यमियों को भी इस गतिविधि में भाग लेने की अनुमति है।

"भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण" के संबंध में श्री अभय कुमार सिन्हा द्वारा पूछे गए दिनांक 19 मार्च, 2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4531 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

भारतमाला परियोजना - राज्य-वार निर्मित लंबाई (किमी) - वित्त वर्ष 2020-21 के बाद से

क्र. सं.	**राज्य**	**एनएचएआई द्वारा भारतमाला के तहत वित्त वर्ष 2020-21 से 17.03.2026 तक निर्मित कुल लंबाई**
1	आंध्र प्रदेश	1,175
2	असम	131
3	बिहार	651
4	छत्तीसगढ़	416
5	दिल्ली	127
6	गुजरात	1,526
7	हरियाणा	1,319
8	हिमाचल प्रदेश	162
9	जम्मू और कश्मीर	319
10	झारखंड	416
11	कर्नाटक	1,222
12	केरल	453
13	मध्य प्रदेश	1,831
14	महाराष्ट्र	2,457
15	मेघालय	31
16	ओडिशा	948
17	पंजाब	691
18	राजस्थान	1,751
19	तमिलनाडु	1,235
20	तेलंगाना	478
21	उत्तर प्रदेश	2,301
22	उत्तराखंड	228
23	पश्चिम बंगाल	376
	कुल	20245

*****